International Journal of Hindi Research
www.hindijournal.com
ISSN: 2455-2232
Received: 27-03-2026, Accepted: 27-04-2026, Published: 12-05-2026
Volume 12, Issue 2, 2026, Page No. 113-115

कोड मिक्सिंग एवं कोड स्विचिंग: भावैज्ञानिक अध्ययन

Dr. Jyothi Ratnam D
Assistant Professor, Department of Hindi Languages, AJK College of Arts and Science, Navakkarai, Coimbatore, Tamil Nadu, India

सारांश
यह शोध पत्र बहुभाषी समाज में कोड–मिक्सिंग और कोड–स्विचिंग की भाषाई प्रवृत्तियों का एक विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है। भाषा केवल मानवीय विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं है, बल्कि यह निरंतर विकसित होने वाला एक रणनीतिक उपकरण है। हेनरी स्वीट के भाषा वैज्ञानिक सिद्धांतों के अनुसार, भाषा वह तंत्र है जहाँ शब्द और अर्थ के सामंजस्य से विचारों का आदान–प्रदान होता है। वैश्विक आर्थिक एकीकरण के इस दौर में, भाषाई परिवर्तन एक अपरिहार्य प्रक्रिया बन चुकी है। मानवीय स्वभाव स्वाभाविक रूप से नई भाषाओं को सीखने और उन्हें अपनी अभिव्यक्ति में आत्मसात करने की ओर अग्रसर है। वैश्वीकरण ने इस प्रवृत्ति को और तीव्र किया है, जिससे हिंदी जैसी गतिशील भाषा में 'कोड–मिक्सिंग' और 'कोड–स्विचिंग' जैसी प्रवृत्तियाँ मुख्यधारा बन गई हैं। कोड–मिक्सिंग और कोड–स्विचिंग वैश्वीकरण के प्रति भारतीय समाज की प्रगतिशील मानसिकता का सहज प्रतिबिंब हैं। भाषा समाज की उपज है, और हिंदी का व्याकरणिक लचीलापन इसे एक वैश्विक प्रतिस्पर्धी भाषा बनाता है। इस निबंध में हिंदी भाषा में प्रचलित कोड–मिक्सिंग और कोड़–स्वीचिंग प्रवणतावों का विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है। हिन्दी समाचार पत्र एवं हिन्दी वोल्ग और यूट्यूब से 1000 से अधिक हिंगलिश कमेंट संगृहीत करते हुए भाषा वैज्ञानिक स्तर पर विश्लेषणात्मक अध्ययन किया है।

मूल शब्दः हिंगलिश, कोड–मिक्सिंग, कोड़–स्वीचिंग, शाब्दिक समावेश

प्रस्तावना

मानव मन के विचारों की अभिव्यक्ति है भाषा। भाषा वैज्ञानिक भाषा की कई परिभाषाएं दे चुके हैं। भाषा वह साधन है जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचारों का आदान–प्रदान करता है। भाषा का आधारभूता तत्त्व शब्द हैं। शब्दों में अर्थ निहित होते हैं। इस प्रकार के शब्दों को सार्थक रूप से क्रमबद्ध करके वाक्यों का निर्माण होता है। मन में किस प्रकार विचारों का विन्यास होता है उसी प्रकार ही वाक्य में शब्दों का विन्यास होता है। विचारों को आदान प्रदान करने का साधना है भाषा। भाषा को कई व्याकरणिक अंग होते हैं। भाषा के विकास मानव के साथ होता है। इन्हीं अंगों का परिवर्त्तन और संवर्धन समय के साथ होता है। भाषा में परिवर्त्तन एक भाषिक प्रक्रिया है, जो एक नैरंतरिक प्रक्रिया है। मनुष्य के एक सहज स्वभाव है नई –नई भाषाओं को सिखने की क्षमता। दो या उनसे अधिक भाषा पर अधिकार होने वाल व्यक्ति या व्यकितियों के समूह में दिखाई देनेवाला आम भाषिक घटना हैं कोड–मिक्सिंग और कोड–स्विचिंग। कोड–मिक्सिंग में एक ही वाक्य के भीतर दो भिन्न या सामान भाषाओं के शब्द, व्याकरणिक इकाइयां, या अन्य भाषिक इकाईयों का समीकरण होता है। कोड–स्विचिंग कोड–मिक्सिंग से काफी भिन्न हैं इस में किसी बातचीत के बीच परिप्रेक्ष्य में बदलाव दिखाने केलिए अलग–अलग भाषाओं, या एक ही भाषा के विभिन्न बोलियों का प्रयोग होते हैं। सामान्यता: यह सामाजिक सन्दर्भ पर निर्भर होता है। कोड–मिक्सिंग में एक ही वाक्य में, एक भाषा की छोटी इकाइयों जैसे शब्द, प्रत्यय या एक पुरे पदबंध को और एक भाषा की बनावट में शामिल कराना हैबी बल्कि कोड–मिक्सिंग में एक भाषा की एक ही वाक्य में दूसरी भाषा की या उसी भाषा की बोली के वाक्यांश को परिपरकस्य के अनुसार जोड़ा जाता है। इस निबंध में हिंदी भाषा में प्रचलित कोड–मिक्सिंग और कोड़–स्वीचिंग प्रवणतावों का विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है। हिन्दी समाचार पत्र एवं हिन्दी वोल्ग से 1000 से अधिक हिंगलिश कमेंट संगृहीत करते हुए भाषा वैज्ञानिक स्तर पर विश्लेषणात्मक अध्ययन किया था। संग्रहित कोर्पस का विश्लेषण के बाद निसंदेह हमें कह सकें कि आजकल के हिंदी समाचार पत्रों की भाषा पूर्णता: कोड–मिक्सिंग और कोड़–स्वीचिंग से भरपूर है। शब्दावली की आंकन करते हुए देखे तो अंग्रज़ी शब्दों की बहुलता है, साथ साथ अंग्रज़ी अब्रीवेशन का बाहुल्य भी है। संग्रहित कोर्पस का विश्लेषण के बाद निसंदेह हमें कह सकें कि आजकल के हिंदी समाचार पत्रों की भाषा पूर्णता: कोड–मिक्सिंग और कोड़–स्वीचिंग से भरपूर है। भाषा विज्ञान की दृष्टि से देखे तो कोडमिक्सिंग और कोड़स्वीचिंग के सब प्रकार के भेद इनवाक्यं में देखा जा सकता है।

कोड–मिक्सिंग और कोड स्विचिंग: परिभाषा

ज्यादातर देश वैश्वीकरण की ओर बढ़ रहे हैं, और यह प्रक्रिया जारी रहेगी। यह एक सामाजिक प्रक्रिया है। वैश्वीकरण से समाज के हर स्तर के लोगों को ज़रूर–ही अलग–अलग भाषा भाषियों के साथ मेल–मिलाप होना और आदान प्रदान करना पड़ेगा। इस कारण से आज के ज्यातादर लोग बहुभाषी हैं। आजकल कोड़स्वीचिंग सम्प्रेषण का एक सशक्त रूप बन चुका है। इस भाषिक विशेषता एक आम बात बन गयी है।[2, 3, 6] किसी एक भाषा में बातचीत करते समय सन्दर्भ के अनुसार तुरन्त ही उस भाषा से दूसरी और एक भाषा में बदलाव करना ही कोड–स्विचिंग है। कोड–स्विचिंग साधारणत: वाक्यों के बीच होती है। भाटिया और रिची[2] की परिभाषा के अनुसार, कोड–मिक्सिंग का तात्पर्य एक ही वाक्य के भीतर, मुख्य रूप से दो अलग–अलग व्याकरणिक प्रणालियों से संबंधित विभिन्न भाषाई इकाइयों (रूपिम, शब्द, वाक्यांश, उपवाक्य और वाक्य) के मिश्रण से है। भाषा विज्ञान की दृष्टी से कोड–मिक्सिंग और कोड–स्विचिंग अलग–अलग भाषिक प्रक्रिया है। दोनों प्रक्रियाओं का प्रत्येक विश्लेषण दोनों के बिच के अंतराल को समझाने में सहायक होती हैं।

1. कोड–मिक्सिंग के प्रकार

कोड–मिक्सिंग में आमतौर पर एक भाषा के तत्वों को, वाक्य–दर–वाक्य आधार पर, दूसरी भाषा की व्याकरणिक संरचना में शामिल किया जाता है। कोड–मिक्सिंग के माध्यम से, तत्व हमेशा दूसरी भाषा के शब्दकोश में स्थायी रूप से ध्वन्यात्मक,

रूपात्मक या अर्थगत रूप से एकीकृत नहीं हो पाते हैं। कोड–मिक्सिंग का मुख्य उद्देश्य एक ऐसी अस्पष्ट स्थिति को काबू में करना है, जिस में कोई भी एक भाषा के पदावली ठीक तरीके से उपयुक्त नहीं हो पाता। बातची करने के दौरान एक ही स्थिति में एक भाषा (कोड) से दूसरी भाषा (कोड) में बदल जाता है। इस प्रकार के बदलाव के पीछे कई कारण हैं। इन में से कुछ कारण हैं वक्त के लिंग, सम्प्रेषण समय के परिवेश श्रोता की भाषिक परिचय, वक्ता की शैली आदि। इन्हीं कारणों से वाक्य में अलग–अलग स्तर पर कोड–मिक्सिंग होता है।

इन्हीं स्तर के आधार पर कोड–मिक्सिंग का विश्लेषण करना चाहिए। सुवितो ने कोड–मिक्सिंग को भाषाई तत्वों के आधार पर छह प्रकारों में वर्गीकृत किया। वे इस प्रकार हैं:

1. शाब्दिक समावेश (The insertion of words)
2. वाक्यांश समावेश (Insertion of phrases)
3. संकर समावेश (Insertion of hybrids)
4. शब्द–द्विरुक्ति समावेश (Insertion of word reduplication)
5. मुहावरेदार समावेश (Insertions of idioms)
6. उपवाक्य समावेश (Insertion of one clause)

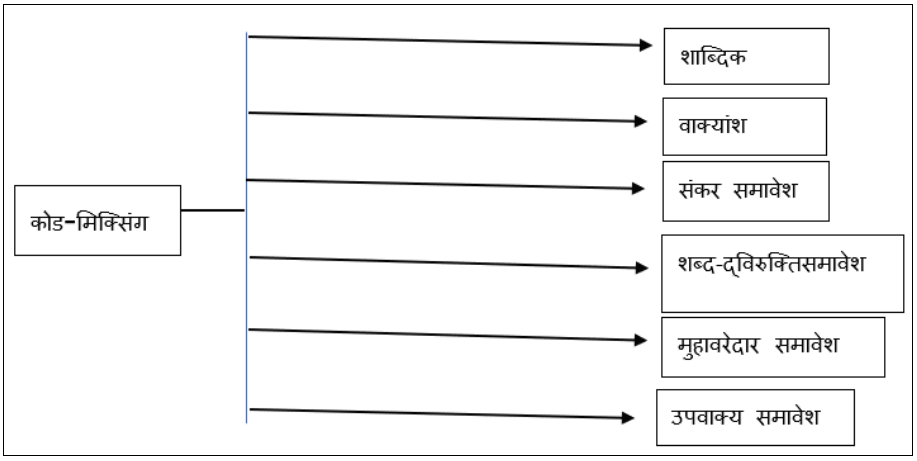

चित्र 1: कोडमिक्सिंग के प्रकार

1. शाब्दिक समावेश (Insertion of words)

यहां वक्त भाषण के बीच एक भाषा के स्वतंत्र रूपिम (free morphemes) को एक दूसरी भाषा की संरचना में इस्तेमाल करा है तो वह शाब्दिक समावेश होता है।

उदहारण: "मेन्यू में कई सारे विकल्प ऐसे भी हैं"। यहां अंग्रज़ी शब्द "मेन्यू" का समावेश स्वतंत्र रूप में किया है।

2. वाक्यांश समावेश (Insertion of phrases)

इस प्रकार की कोड–मिक्सिंग का तात्पर्य किसी वाक्यांश या दो या दो से अधिक संबंधित शब्दों के समूह को, किसी कथन या पाठ में, किसी अन्य भाषाई संरचना के भीतर शामिल करने से है। इस वाक्यांश में न तो कोई कर्ता होता है और न ही कोई विधेय।

उदहारण: "इंटीरियर, लाइव वॉटर फॉल और लाइटिंग जैसी कई चीजों को ध्यान में रखकर रेस्तरां तैयार किया गया है"।

3. संकरों का समावेश (Insertion of hybrids)

इस प्रकार की कोड मिक्सिंग में किसी एक भाषा के एक शब्द के टुकडे का मेल–मिलाप दूसरी भाषा के एक शब्द के साथ होकर उस नयी शब्द को एक ही शब्द के रूप में इस्तेमाल किया है।

उदहारण: फिल्म की दोनों हीरोइनों पूजा कुमार और एंड्रिया जर्मिया का काम अच्छा है।

यहां अंग्रज़ी संज्ञा पद "हीरोइन" के साथ हिंदी के स्त्री लिंग बहुवचन प्रत्यय "ओं" को जोड़कर उसे हिंदी संज्ञा पद के सामान वाक्य में प्रयुक्त किया है।

4. शब्द–द्विरुक्ति का समावेश (Insertion of word reduplication)

यहां वक्ता अपनी मूला भाषा के या दूसरी भाषा से लिये किसी शब्द के हिस्से या पूरे शब्द को एक से ज़्यादा बार दोहराता है। यह एक भाषिक प्रक्रिया है, इसके द्वारा वक्तव्यता में तीव्रता, और वक्ता के मनोव्यापार को दर्शाया जाता है।

उदहारण: विजय के टीवीके ने इलेक्शन में तमिलनाडु में धम–धमाके से दो बड़े पार्टियों को हिलाया।

उदहारण: गुड़ –गुड़ यह सुझाव तो बहुत अच्छी है।

5. मुहावरों का समावेश (Insertions of idioms)

यहां वक्ता किसी प्रत्येक विषय को दूसरी एक भाषा के मुहावर की सहायता से सम्प्रेषण करता है। यहां वक्ता मूल भाष के भाषिक सविशेषतायें उसी प्रकार ही पालन करता है। मुहावरा एक ऐसा भाषीक संरचना है जो अभितार्थ के बिना लक्षणा या व्यनजानार्थ को अभिव्यंजित करता है।

उदाहरण: अच्छा आप भी एक पीस ऑफ़ केक ले लीजिये।

यहां वक्ता ने अंग्रज़ी मुहावरा "एक पीस ऑफ़ केक" का प्रयोग सन्दार्भिक रूप में न करके विशिष्ट अर्थ में किया है।

6. एक उपवाक्य का समावेश (Insertion of one clause)

इस प्रकार की कोड–मिक्सिंग में वाक्य के उस हिस्से को डालना है जिसमें सब्जेक्ट और प्रेडिकेट तो होते हैं, लेकिन जिनका पूरा मतलब नहीं होता, उसे किसी दूसरी भाषा के स्ट्रक्चर में एक ही बात या टेक्स्ट में डाल देता है।

उदाहरण: ट्रिंक्स में भी यूनीक ऑप्शन देखने के लिए मिलेंगे, जैसे हिबिस्कस कूलर।

कोड–स्विचिंग के प्रकार

कुछ सालों पहले बहुभाषी समाजों में, हर भाषा किसी खास परिवेश में इस्तेमाल किया जाता था वैश्वीकरण के परिणाम स्वरूप आज कल कोड–स्विचिंग एक सार्वजिनक भाषिक घटना बन चुकी है। यह ढलाव दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बिच के संभाषण के सन्दर्भ में सामाजिक स्थितियों के दौरान हो सकती है। भाषा वैज्ञानिकों ने कोड–स्विचिंग को दो शीर्षकों में विभाजित किया है। वे हैं स्थितिजन्य कोड–स्विचिंग और लाक्षणिक कोड–स्विचिंग।

1. स्थितिजन्य कोड–स्विचिंग (Situational code switching)

एक वक्ता परिस्थितियों के अनुसार एक भाषा से दूसरी भाषा में बदल जाता है। ऐसी स्थिति में, द्विभाषी वक्ता उस भाषा को चुनते हैं जो उनके श्रोता को समझ में आती हो। इस बदलाव को 'स्थितिजन्य कोड–स्विचिंग'[2] कहा जाता है। स्थितिजन्य कोड–स्विचिंग तब होती है जब उपयोग की जाने वाली भाषाएँ परिस्थितियों के अनुसार बदल जाती हैं।

उदहारण: असम की जनता ने लगातार तीसरी बार बीजेपी एनडीए पर भरोसा किया है। हैट्रिक तीसरी बार। "हैट्रिक"

2. लाक्षणिक कोड–स्विचिंग (Metaphorical code switching)

प्रत्येक विषयों पर किसी भी भाषा में चर्चा की जा सकती है, लेकिन भाषा का चुनाव उस विषय के बारे में कही गई बात को एक अलग ही अंदाज़ देता है। लाक्षणिक कोड–स्विचिंग विषयानुकूल होता है। लाक्षणिक कोड–स्विचिंग का एक भावनात्मक पहलू भी होता है। इस से विषय के बारे में कही गई बात को एक अलग ही अंदाज़ होता है। यह चुनाव कुछ खास सामाजिक मूल्यों को भी दर्शाता है।

उदहारण: बिकॉज़ आई सिंसियरली फील दैट व्हेन यू विल चेस नॉलेज नंबर्स विल ऑलवेज फॉलो।

समाचार पात्र, सोसयल मिडिया के विभिन्न प्लाटफाम से संगृहीत १००० वाक्यों के दौरान हिंदी की कोड–मिक्सिंग प्रवृत्ति का आंकलन इस शोधा पत्र में किया है। अध्यन से पता चलता है की इन्हीं वाक्यों में शाब्दिक समावेश, वाक्यांश समावेश, और संकरों का समावेश आदि तीनों प्रकार के कोड–मिक्सिंग का बाहुल्य हैं। कोड–स्विचिंग के आंकलन प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, और श्री अमिताबच्चान जी के यूट्यब में उपल्ध भाषाणों के आधार पर किया। कोड–स्विचिंग के दोनों विधाओं का प्रयोग एक सामान में इन भाषणों विद्यमान है।

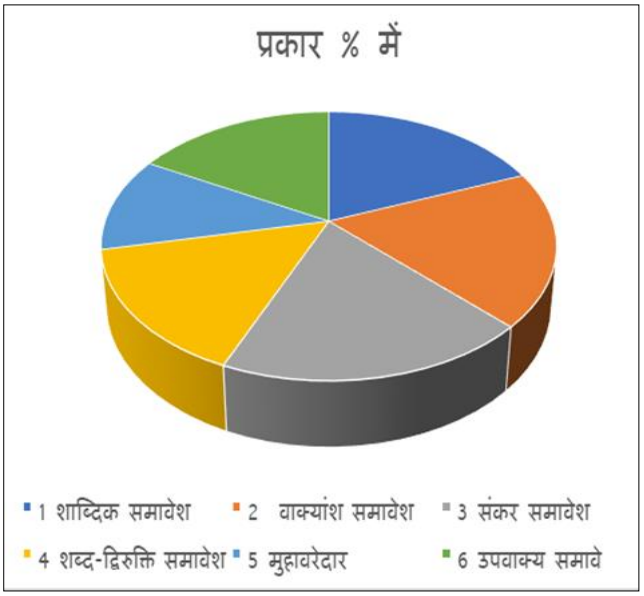

चित्र 2: हिंदी में कोड–मिक्सिंग की प्रवृत्तियों का पाई चार्ट शकल

निष्कर्ष

बहुभाषी समाज के भाषा से जुडी हुई सामान्य प्रवृति हैं कोड–मिक्सिंग और कोड–स्विचिंग। इस भाषिक घटना के सीधा संबंध सम्माज में आने वाली परिवर्त्तनों से होता है। ग्लोबलाइज़ेशन के अनुकूल जनता की मानसिकता में कई बदलाव दर्शायामान है, इन्हीं मानसिकतावों का सहज प्रतिफलन भाषा में देख सकता है। समाज के सभी स्तरके लोगों ने हिंगलिश का प्रयोग करते हाँ। सोश्यल मीडियाके सभी प्लाटफॉम में लोग हिंदी के व्याकरण में कुछ बदलाव ना लाकर हिंदी शब्दों के सामान रूप से ही अंग्रज़ी शब्दों का प्रयोग करते रहते हैं। अंग्रज़ी शब्दों के साथ अन्य भारतीय भाषाओं के शब्दों का प्रयोग इनमें देखा जा सकता है। दुनिया के अन्य भाषाओ के सामान हिंदी भाषी लोग भी ग्लोबलाइजेशन के साथ चलते हैं और हिंदी व्याकरण के अनुरूप अंग्रेजी के शब्द, पदबंध, मुहावरे, वाक्यांश, कभी कभी पुरे वाक्य का प्रयोग करते रहते हैं। भाषा विज्ञान के अनुसार विभक्त सब प्रकार के कोड–मिक्सिंग और कोड–स्विचिंग पद्धतियां हिंदी में भी विद्यमान हैं। पै –चार्ट विश्लेषण के मुताबिक शाब्दिक समेशा, वाक्यांश समावेश और संकर समावेश, ये तीनो का खूब प्रयोग समाचार पत्र की भाषा में दिखाई पड़ता है, भाषाणों मे कोड–मिक्सिंग केसाथ–साथ कोड–स्विचिंग प्रवणताओं की खूबयाबी दिखाई पड़ता है। भाष समाज का पैदावार है ,इसलिए में आनेवाली नई –नई तबतालियों का पततिफलन भाषा में होता है।

संदर्भ

1. https://www.britannica.com/topic/language
2. Komang Trisna Dewi. "Language Use: Code Mixing, Code Switching, Borrowing, Pidginization, and Creolization". Yavana Bhāshā: Journal of English Language Education, 2021, 4(1).
3. Mahalakshmi Prasad. "Instances of Code Switching in Indian Television Serials". LANGUAGE IN INDIA, 2010, 10. ISSN 1930-2940
4. Iman Yassin Jassem. "Code Switching & Code Mixing". Ministry of Higher Education, University of Misan College of Education, 2020. https://www.researchgate.net/publication/353447381_code-switching_and_code_mixing
5. Oleh Ahmad Mustamir Waris STAIN Manado. "Code switching and mixing (Communication in Learning Language)" Jurnal Dakwah Tabligh,2012:13(1):123-135.
6. Dr. Shambhavi Kumari,2024. "Code-Mixing and Code-Switching in Multilingual Classrooms: Enhancing Second Language Acquisition of English" April-June 2024, Volume -09, No.-02 ISSN-2455-8729 (E), 2231-3613 (P) SJIF 2024-8.029.